

राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 10 अंक 1

जनवरी-जून 2008

1. योग और अहिंसा - डॉ. मृगेन्द्र कुमार सिंह, उपाचार्य, दर्शन विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड)
2. हिंसा हिंसात्मक व्यवहार एवं महिलाएं - डॉ. इन्दु पाठक, रीडर समाजशास्त्र डी.एस.बी. परिसर, कुमायु विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)
3. ग्रामीण सामान्य एवं अनुसूचित जातीय महिलाओं की समाजार्थिक प्रस्थिति - डॉ. इला शाह, समाजशास्त्र विभाग, कुमायु विश्वविद्यालय एल.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)
4. आर्थिक परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में अनुसूचित जातियों की परम्परागत नियोज्यताएं - डॉ. यू.वी. सिंह, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र, फिरोजगांधी कालेज, रायबरेली एवं वीना द्विवेदी, शोध अध्येत्री, समाजशास्त्र, फिरोज गांधी कालेज, रायबरेली (उ.प्र.)
5. जौनसारी जनजाति की सामाजिक समस्याएं - बबीत कुमार बिहान, शोध छात्र समाजशास्त्र विभाग, सी. सी.एस. विश्वविद्यालय, परिसर, मेरठ एवं डॉ. योगेन्द्र सिंह, रीडर समाजशास्त्र विभाग, सी.सी.एस. विश्वविद्यालय, मेरठ (उ.प्र.)
6. बदलते सामाजिक-आर्थिक सन्दर्भ : परिवार में कन्या भ्रूण हत्या - डॉ. सुभी धुसिया, वरिष्ठ प्रवक्ता समाजशास्त्र दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं विनय कुमार खरवार, शोध अध्येता समाजशास्त्र, दी.द. उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)
7. उत्तराखण्ड की अनुसूचित एवं पिछड़ी जातियों में विवाह के प्रति अभिरूचियां - डॉ. जगदीश चन्द्र आर्य, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, एल.एम.जे.एन. कालेज, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
8. परिवर्तित परिस्थितियों में धार्मिक-अध्यात्मिक संगठन - डॉ. मन्जु सिंह, रीडर समाजशास्त्र डी.जी. कालेज, कानपुर एवं डॉ. आर.के. सिंह, रीडर समाजशास्त्र, डी.बी.एस. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
9. बाल श्रमिकों की समस्याएं - डॉ. कनक लता सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता, समाजशास्त्र विभाग, एस.आर.एस. गर्ल्स कालेज, बरेली एवं हेमलता सिंह, शोध अध्येत्री समाजशास्त्र, बरेली कालेज, बरेली (उ.प्र.)
10. जनजातियों व वन अधिकारों की मान्यता विधेयक-06 - डॉ. अंशु केडिया, प्रवक्ता समाजशास्त्र, ए.बी. सेन. मैमोरियल गर्ल्स पी.जी. कालेज, लखनऊ (उ.प्र.)
11. झाबुआ की जनजातियों की परम्परागत चिकित्सा - डॉ. शैफाली शुक्ला, प्रवक्ता समाजशास्त्र, गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय, चकराता (उत्तराखण्ड)
12. भारतीय जनसंख्या की संरचना एवं राष्ट्रीय जनसंख्या नीति और विकास - डॉ. अशोक कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता समाजशास्त्र, डी.ए.बी. पी.जी. कालेज, आजमगढ़ (उ.प्र.)
13. करनाल में 1857 की क्रान्ति - बाला देवी, प्रवक्ता इतिहास विभाग, महिला महाविद्यालय, झौंझूकलां, भिवानी (हरियाणा)
14. व्याध गीता में महात्मा धर्मव्याध का अस्तित्व - सी.एल. सोनकर, शोध अध्येता इतिहास, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद एवं डॉ. महेन्द्र पाठक, इतिहास विभाग, साकेत महाविद्यालय, फैजाबाद (उ.प्र.)
15. किसान आत्महत्या कारण एवं निवारण - प्रमोद कुमार वासनिक, प्रशिक्षण सहायक, डॉ. बाबा साहेब, अम्बेडकर, राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान, डॉ. अम्बेडकर नगर, महू (म.प्र.)
16. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी - डॉ. सीता सिंह, प्रवक्ता हिन्दी विभाग, श्री बल्देव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बढगांव, वाराणसी (उ.प्र.)

17. उच्च शिक्षण संस्थाओं में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाएं एवं बालिका शिक्षा की प्रगति - डॉ. रितू डंगवाल, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बड़ेथी, उत्तरकाशी (उत्तराखण्ड)
18. वर्तमान परिदृश्य में साम्प्रदायिक समस्या व सद्भाव - कु. पूजा श्रीवास्तव, अंशकालिक प्रवक्ता समाजशास्त्र, गुरुनानक गर्ल्स डिग्री कालेज, लखनऊ (उ.प्र.)
19. जन सम्प्रेषण सूचनाएं एवं परिवार कल्याण - श्रीमती शोभा चौहान, शोध छात्रा, श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
20. आर्थिक पटभूमि एवं महिलाएं - चन्द्र बहादुर सिंह, शोध छात्र, श्री अग्रसेन कन्या, पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)